Regarding need to review the decision to develop new Greenfield Express Highways in Rajasthan- laid

श्री अमरा राम **(**सीकर**) :** राजस्थान में 9 ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे बनाने की बजट घोषणा के अनुसार डीपीआर बनाई जा रही है । राजस्थान में सबसे ज्यादा टोल बूथ हैं तथा सबसे ज्यादा महंगा पेट्रोल, डीजल है। जनहित को देखते हुए हाईवे बनाएं जाए लेकिन ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे नहीं बनाए जाएं क्योंकि अगर हाईवे का निर्माण होगा तो मार्ग पर होटल, दुकान, व्यापार विकसित होगा और आमजन को रोजगार प्राप्त होगा तथा इलाके का विकास ओर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित होगा तथा औद्यौगिक विकास की भी संभावना बनेगी । उदाहरणार्थ कोटपूतली से किशनगढ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 है और अब सरकार द्वारा कोटपुतली से किशनगढ़ ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे बनाने का क्या औचित्य है जबकि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे बनाने का तो औचित्य है ।कोटपुतली से किशनगढ़ ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे जिसमें 1669 हेक्टर भूमि अधिग्रहित की जाएगी जिसमें किसानों के खेत के बीच से हाईवे गुजरेगा तो किसान बर्बाद हो जाएगा और वह दो भागों में विभाजित भूमि में कोई विकास नहीं कर पायेगा क्योंकि ग्रीनफील्ड हाईवे जो 100 मीटर चौड़ा और 15 फीट ऊंचा मार्ग है जिस पर केवल कंपनी के ही डेवलपमेंट जैसे होटल, पेट्रोल डीजल पंप होंगे इनके अलावा कोई भी अपनी दुकान भी नहीं रख सकता है जो कि केवल कंपनियों को फायदा करने का कार्य करेगा ।